Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MAJY-607

M.A. Jyotish (MAJY)

[ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. विंशोत्तरी महादशा के आधार पर शनि एवं राहु की दशाओं का फल लिखिए।
2. सूर्य अन्तर्दशा का आरोही–अवरोही, उच्च–नीच मूलत्रिकोण का फल प्रतिपादित कीजिए।
3. गुरु दशा के द्वादश भावों के फल को निरुपित कीजिए।
4. सूक्ष्म व प्राण दशा का सविस्तार वर्णन करें।
5. जीवों द्वारा होने वाले शुभाशुभ शकुन फल को लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. स्वप्न शास्त्र क्या है ? इसे समझाइये।

2. गरुड़पुराण के अनुसार शुभाशुभ शकुन विचार को प्रतिपादित करें।
3. नारियों के अंगों का शुभाशुभ फल का वर्णन करें।
4. सत्वादि गुण क्या है ? इनके फलों को निरुपित कीजिए।
5. पञ्चमहाभूत क्या है ? इनका परिचय दीजिए।
6. रुचक व मालव्य योग में उत्पन्न जातकों का फलादेश लिखिए।
7. भौम का मित्र–शत्रु सम राशि का फल निरुपित करें।
8. वृहत्पराशर के अनुसार सूर्य प्रयन्तर में सभी ग्रहों का सूक्ष्म फल विवेचन कीजिए।

****